कसिान दविस

भारत के पूरव प्रधानमंत्री **चौधरी चरण सहि** की जयंती (23 दसिंबर) को देश भर में 'कसिान दविस' या राष्ट्रीय कसिान दविस के रूप में मनाया जाता है।

- यह दविस समाज में कसिानों के योगदान और देश के समग्र आर्थकि एवं सामाजकि वकिास के महत्त्व को समझने के लयि नागरकिों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु मनाया जाता है।
- सरकार का उद्देश्य कृषि पर वाद-ववािद और सेमनिार जैसी वभिन्नि गतविधियिों का आयोजन करके देश भर के कसिानों को प्रोत्साहति करना भी है।

प्रमुख बदिु

- चौधरी चरण सहि का जन्म **वर्ष 1902** में उत्तर प्रदेश के **मेरठ ज़लि** के नूरपुर में हुआ था और वह 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980 तक **भारत के प्रधानमंत्री** रहे।
- ग्रामीण और कृषि वकिास के समर्थक होने के नाते उन्होंने भारत में योजना के केंद्र में **कृषि** को रखने के लयि नरिंतर प्रयास कयि।
- पूरे देश में कसिानों के उत्थान और कृषि के वकिास की दशिा में उनके काम के लयि उन्हें **'चैंपयिन ऑफ इंडयिाज़ पीजेंट्स'** उपनाम दयिा गया था।
- उन्होंने साहूकारों से कसिानों को राहत देने के लयि **ऋण मोचन वधियक 1939** के नरि्माण और उसे अंतमि रूप देने में अग्रणी भूमकिा नभिाई।
- उन्होंने **भूमि जोत अधनियिम, 1960** को लाने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाई, जसिका उद्देश्य पूरे राज्य में भूमि जोत की सीमा को कम करना था ताकि इसे एक समान बनाया जा सके।
- उन्होंने वर्ष 1967 में कॉन्ग्रेस छोड़ दी और अपनी स्वतंत्र पार्टी बनाई जसि **भारतीय लोक दल** के नाम से जाना जाता है।
- उन्होंने **दो बार** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कयिा। वे वर्ष 1979 में भारत के प्रधानमंत्री बने।
- वह **'ज़मींदारी का उन्मूलन'**, **'को-ऑपरेटवि फार्मगि एक्सरेड'**, **'भारत की गरीबी और उसका समाधान'**, **'कसिान स्वामत्वि या श्रमकिों के लयि भूमि'** तथा '**श्रमकिों के वभिाजन की रोकथाम**' सहति '**प्रीवेंशन ऑफ डवीज़िन ऑफ होल्डगि्स ब्लो अ सर्टेन मनिमिम**' जैसी कई पुस्तकों और पुस्तकिाओं के लेखक थे।।

भारत में कृषि का महत्त्व

- भारत के लगभग आधे ग्रामीण परवािरों की कृषि में नगण्य हस्सिेदारी है।
- वर्ष 2019 के **सचिुएशन असेसमेंट सर्वे (एसएएस)** के अनुसार, ग्रामीण भारत में 93.1 मलियिन कृषक परवािर हैं।
- एक कृषक परवािर को उस परवािर के रूप में परभिाषति कयिा गया है, जो 4,000 रुपए से अधकि के खेत या बागवानी फसलों, पशुधन, या अन्य नरि्दषि्ट कृषि उत्पादों का उत्पादन करता है और उस परवािर का कोई एक सदस्य सर्वेक्षण से 365 दनिों पहले कृषि में स्व-नयिोजति हो।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kisan-diwas